प्रबंधन का अर्थ अधिकतम फायदे के लिए ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। कारोबार संगठनो और घरो मे ऊर्जा की बचत से संबंधित यह शब्द प्रयोग मे आता है। इसका अर्थ बेकार वस्तु को अलग कर ऊर्जा का श्रेष्ठ विधि से उपयोग करना है। जिसमे न्यूनतम हानि हो उदाहरण के लिए एक बूंद प्रति सेकण्ड की दर से तेल रिसाव का मतलब 2000 लीटर प्रतिवर्ष की हानि है। जिसकी कीमत 10000 रुपये आती है। आधुनिक कृत्रिम चपटी बेल्ट को परम्परागत वी बेल्ट के बदले उपयोग करने पर 5 से 10% ऊर्जा बचत होती है।

* ऊर्जा प्रबंधन के सिद्धान्त एवं कार्यनीति
(Principles and strategy of energy management) :-

1. ऊर्जा का उपयोग उसकी अधिकतम ऊर्जा क्षमता तक किया
2. सभी प्रकार की ऊर्जा आवश्यकता के अनुसार संभव न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध होना
3. अपशिष्ट ऊष्मा पुन: प्राप्ति द्वारा ऊर्जा का पुन: चक्रण और पुन: प्रयोग करना
4. हानियो को कम करना।

* ऊर्जा प्रबंधन की कार्यविधि (Working of Energy management) :-
ऊर्जा प्रबंधन एक परिवर्तन और घटना ही नही बल्कि यह लक्ष्यो को प्राप्त करने का अभियान है। यह कार्य एक मेज पर बैठकर अकेले नही किया जा सकता बल्कि इसे पूरा करने के लिए ऊर्जा के प्रति सचेत व्यक्तियो के दलो द्वारा तालमेल मे कार्य करने की आवश्यकता होती है।

* कुशल ऊर्जा प्रबंधक की आवश्यकता (Need of Good Energy Manager)

कुशल प्रबंधक वह होता है। जो जागरूकता की ओर ले जाए सभी स्तर के लोगो को प्रोत्साहित करे ढांचे और प्रक्रिया को बदले ऊर्जा खपत के निर्धारित लक्ष्यो का रिकार्ड रखे तथा संगठन और मानव क्षेत्रो मे ही परिवर्तन करने की कोशिश करे उदाहरण के लिए कुशल प्रबंधक फैक्ट्री मे जागरूकता अभियान चलाये जिसमे रोशनी पंखे और वातानुकूलक के स्विच बंद करने से ऊर्जा की बचत का ज्ञान हो।